उद्देश्यों की प्राप्ति को नवीन शिक्षा शास्त्र की समझ जरूरी : प्रो. सुदेश

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां के शिक्षा विभाग में टीचिंग मास्टरी- माइक्रो एंड मेगा टीचिंग स्किल्स फार क्लासरूम एक्सीलेंस विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने बतौर मुख्यातिथि एम्पोवेरिंग एजुकेटर ए विजनरी डायलाग विषय पर शिक्षकों व भावी शिक्षकों को संबोधित किया। उन्होंने नई शिक्षा नीति 2020 की दिशा में बढ़ने और कौशल आधारित शिक्षण में दक्षता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

प्रो. सुदेश ने कहा कि एक अध्यापक के लिए नवीन शिक्षा शास्त्र की समझ आवश्यक है, जिससे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सके। कार्यशाला के दूसरे सत्र में अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर डा. रवि भूषण ने दृष्टांत कौशल विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने छात्राओं को वाद-विवाद और संवाद की शैक्षणिक प्रक्रिया में भूमिका को समझाया। उन्होंने कहा कि एक

प्रो. सुदेश कार्यशाला को संबोधित करती हुईं • सौ. प्रवक्ता

कहा-एक अध्यापक के लिए नवीन शिक्षा शास्त्र की समझ आवश्यक है, जिससे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सके

शिक्षक के लिए शिक्षण के प्रति सकारात्मक मनोभाव आवश्यक है। कार्यशाला विभागाध्यक्ष प्रो. वरुणा तेहलान दहिया के दिशानिर्देश में आयोजित की जा रही है, जो 14 जुलाई तक चलेगी। इस मौके पर कार्यशाला संयोजक डा. सुशील कुमार, डा. गोल्डी गुप्ता, डा. ज्योतिका, डा. सुमन दलाल, डा. रीना, डा. मोनिका, डा. पूनम रहे।

गोहाना। संकाय सदस्यों के साथ विवि की कुलपति प्रो. सुदेश।

महिला विवि में कार्यशाला का आयोजनः शिक्षकों को नवीन शिक्षा शास्त्र की समझ आवश्यक : प्रो. सुदेश

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि), खानपुर कलां के शिक्षा विभाग में टीचिंग मास्टरी-माइक्रो एंड मेगा टीचिंग स्किल्स फॉर क्लासरूम एक्सीलेंस विषय पर 15 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। 1 जुलाई से शुरू इस कार्यशाला का समापन 14 जुलाई को होगा। शुक्रवार को विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने बतौर मुख्यातिथि एम्पोवेरिंग एजुकेटर ए विजनरी डायलाग विषय पर कार्यशाला में उपस्थित शिक्षकों व भावी शिक्षकों को सम्बोधित किया। कुलपति ने नई शिक्षा नीतिः 2020 की दिशा में बढने और कौशल आधारित शिक्षण में दक्षता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि एक अध्यापक के लिए नवीन शिक्षा शास्त्र की समझ आवश्यक है जिससे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सके। कार्यशाला के दूसरे सत्र में अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. रवि भूषण ने दृष्टांत कौशल विषय पर अत्यंत प्रभावशाली व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से छात्राओं को वाद-विवाद और संवाद की शैक्षणिक प्रक्रिया में भूमिका को समझाया और कहा कि एक शिक्षक के लिए शिक्षण के प्रति सकारात्मक मनोभाव आवश्यक है। शिक्षा विभाग के टीचिंग प्रक्टिकम इंटर्नशिप एंड रिसर्च सेल द्वारा आयोजित इस कार्यशाला की निदेशक विभागाध्यक्ष प्रो. वरुणा तेहलान दहिया हैं। कार्यशाला संयोजक डॉ. सुशील कुमार हैं। इस कार्यशाला को डॉ. गोल्डी गुप्ता और डॉ. ज्योतिका की टीम संचालित कर रही है। इस कार्यक्रम में डॉ. सुमन दलाल, डॉ. रीना, डॉ. मोनिका, डॉ. पूनम सहित अन्य संकाय सदस्य एवं समस्त छात्राएं उपस्थित रहीं।

नवीन शिक्षा शास्त्र की समझ आवश्यक : प्रो. सुदेश

गोहाना | बीपीएस महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि एक अध्यापक के लिए नवीन शिक्षा शास्त्र की समझ आवश्यक है, जिससे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सके। वे विवि के शिक्षा विभाग में टीचिंग मास्टर-माइक्रो एंड मेगा टीचिंग स्किल्स फॉर क्लास रूम एक्सीलेंस विषय पर आयोजित 15 दिवसीय कार्यशाला के चौथे दिन अध्यापकों को संबोधित कर रही थीं। प्रो. सुदेश ने एम्पोवेरिंग एजुकेटर-ए विजनरी डायलॉग विषय पर शिक्षकों व भावी शिक्षकों को नई शिक्षा नीति-2020 की दिशा में बढ़ने और कौशल आधारित शिक्षण में दक्षता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. रवि भूषण ने दृष्टांत कौशल विषय पर उदाहरणों के माध्यम से छात्राओं को वाद-विवाद और संवाद की शैक्षणिक प्रक्रिया में भूमिका को समझाया। इस मौके पर कार्यशाला की निदेशक एवं विभागाध्यक्ष प्रो. वरुणा, संयोजक डॉ. सुशील कुमार, डॉ. गोल्डी गुप्ता, डॉ. ज्योतिका, डॉ. सुमन दलाल, डॉ. रीना, डॉ. मोनिका, डॉ. पूनम आदि मौजूद रहे।

नए शिक्षा शास्त्र की समझ जरूरी : सुदेश

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां के शिक्षा विभाग में टीचिंग मास्टरी-माइक्रो एंड मेगा टीचिंग स्किल्स फॉर क्लासरूम एक्सीलेंस विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने बतौर मुख्यातिथि एम्पोवेरिंग एजुकेटर ए विजनरी डायलाग विषय पर शिक्षकों व भावी शिक्षकों को संबोधित किया।

उन्होंने नई शिक्षा नीति 2020 की दिशा में बढ़ने और कौशल आधारित शिक्षण में दक्षता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। प्रो. सुदेश ने कहा कि एक अध्यापक के लिए नवीन शिक्षा शास्त्र की समझ आवश्यक है, जिससे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सके।

कार्यशाला के दूसरे सत्र में अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. रवि भूषण ने दृष्टांत कौशल विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से छात्राओं को वाद-विवाद और संवाद की शैक्षणिक प्रक्रिया में भूमिका को समझाया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक के लिए शिक्षण के प्रति सकारात्मक मनोभाव आवश्यक है।

कार्यशाला का आयोजन शिक्षा विभाग के टीचिंग प्रक्टिकम इंटर्नशिप एंड रिसर्च सेल द्वारा किया गया। कार्यशाला विभागाध्यक्ष प्रो. वरुणा तेहलान दहिया के दिशानिर्देश में आयोजित की जा रही है, जो 14 जुलाई तक चलेगी। इस मौके पर कार्यशाला संयोजक डॉ. सुशील कुमार, डॉ. मोनिका, डॉ. पूनम रहें। संवाद

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में कार्यशाला का आयोजन

संकाय सदस्यों के साथ महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश।

गोहाना, 4 जुलाई (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलां भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में टीचिंग मास्टरी -माइक्रो एंड मेगा टीचिंग स्किल्स फॉर क्लासरूम एक्सीलेंस विषय पर पंद्रह दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 1 जुलाई से शुरू होकर 14 जुलाई को इसका समापन होगा। कार्यशाला में आज महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने बतौर मुख्यातिथि एम्पोवेरिंग एजुकेटर -ए विजनरी डायलाग विषय पर कार्यशाला में उपस्थित शिक्षकों व भावी शिक्षकों को सम्बोधित करते नई शिक्षा नीति 2020 की दिशा में बढ़ने और कौशल आधारित शिक्षण में दक्षता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला के दूसरे सत्र में अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर डॉ रवि भूषण ने उदाहरणों के माध्यम से छात्राओं को वाद, विवाद और संवाद की शैक्षणिक प्रक्रिया में भूमिका को समझाया और कहा कि एक शिक्षक के लिए शिक्षण के प्रति सकारात्मक मनोभाव आवश्यक है। शिक्षा विभाग के टीचिंग प्रक्टिकम इंटर्नशिप एंड रिसर्च सेल द्वारा आयोजित इस कार्यशाला की निदेशक विभागाध्यक्ष प्रो वरुणा तेहलान दहिया, तथा कार्यशाला संयोजक का दायित्व डॉ सुशील कुमार निभा रहे हैं। इस कार्यक्रम में डॉ. गोल्डी गुप्ता और डॉ. ज्योतिका की टीम, डॉ. सुमन दलाल, डॉ. रीना, डॉ. मोनिका, डॉ. पूनम सहित अन्य संकाय सदस्य एवं समस्त छात्राएं उपस्थित रहीं।